(b) whether Government had received complaints in the recent past about the present arrangements and if so, what action has been taken thereon?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BHAJAN LAL): (a) The quantity of pulses imported by official agencies *viz.*, National Agricultural Cooperative Marketing Federation (NAFED) and State Trading Corporation (STC) during the current finncial year so far is as given below:—

NAFED	STC	TOTAL
26,645 MTs (Till 15.2.88)	12,500 MTs (Till 23.2.88)	39,145 MTs

The prices of imported pulses varied between US $ 227 to US $ 415 PMT depending upon the variety of pulses and terms of shipment.

(b) Yes Sir, the complaints were looked into and no substance was found in them.

गन्ने के मूल्य में संशोधन

*71. **श्री रशीद मसूद :**
श्रीमती रेणुका चौधरी :

क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि चीनी मिलों को गन्ना बेचने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित किये गये मूल्य से अधिक मूल्य प्राप्त करने के लिए किसान गन्ने को चारे के रूप में बेच रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार गन्ने के वर्तमान निर्धारित मूल्य में संशोधन कर गन्ने को चारे के रूप में बेचे जाने को बन्द करने का विचार रखती है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) से (ग) केन्द्रीय सरकार के पास भारी पैमाने में गन्ने को पशु-चारे के रूप में इस्तेमाल करने के लिए बेचने के बारे में राज्य सरकारों से कोई शिकायतें प्राप्त नहीं हुई । वास्तव में 7-2-1988 को स्थिति के अनुसार चीनी फैक्ट्रियों ने 40.86 लाख मीटरी टन चीनी का उत्पादन किया था जबकि पिछले मौसम में, जोकि रिकार्ड उत्पादन का मौसम था, 40.30 लाख मीटरी टन का तदनरूपी उत्पादन किया गया था ।

केन्द्रीय सरकार ने पहले ही चालू मौसम के लिए गन्ने के सांविधिक न्यूनतम मूल्य को पिछले वर्ष निर्धारित किए गए 17.00 रुपये प्रति क्विंटल के मूल्य से बढ़ाकर 8.5 प्रतिशत की रिकवरी पर 18.50 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है

Supply of edible oil to West Bengal

*72. SHRI CHITTA BASU: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the crisis in the supply of edible oil to West Bengal has been continuing for some time; and

(b) if so, whether Government propose to augment its supply to the State?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI SUKH RAM): (a) and (b) The supply of imported edible oils to West Bengal was by and large maintained. Temporary shortfall, due to certain constraints, which occured for sometime upto November 1987 has been remedied through considerable stepping up of supplies and adequate buffer stock is available.